Power point Slide for Post Graduates of SOS in LIS

Topic:

For M.Lib. I.S.c. (Second Semester)

Course Code: MLIS-

Course Title:

DR. NIDHI SRIVASTAVA (Guest Faculty)

S O S in Library & Information Science

Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Citation Indexing

- Introduced by Dr. Eugene Garfield of Institute of Scientific Information (Web of Science) in 1950s.
- Citation indexing makes links between books and articles that were written in the past and articles that make reference to ("cite") these older publications. In other words, it is a technique that allows us to trace the use of an idea (an earlier document) forward to others who have used ("cited") it.
- The citation indexes were originally designed primarily for information retrieval. Helps for identifying the relevant research papers independent of language, title words, or author keywords

According to sen gupta

- “Citation Index, डाक्यूमेंट्स के किसी कलेक्शन के समस्त Citation की सुव्यवस्थित सूची (Structured list) है इस लिस्ट को इस प्रकार arranged किया जाता है कि cited document , citing document के पहले आता है|”
- Citation Indexing में रीडर/ यूजर को अधिक नवीनतम (recent) Citation की ओर निर्देशित किया जाता है |
- Citation Index cited articles की क्रमबद्ध सूची होती है जिससे प्रत्येक cited articles के साथ citing articles की लिस्ट दी हुई होती है | cited articles को Reference Citation and citing articles को Source Citation द्वारा पहचाना जाता है | यह Index, Reference Citation द्वारा व्यवस्थित होती है कोई भी Source Citation बाद में Reference Citation में बन सकता है|

यह पद्धति इस सामान्य विचारधारा पर आधारित है कि किसी लेखक का पहले से लिपिबद्ध सूचना अथवा ज्ञान के बारे में संदर्भ उस क्षेत्र से पहले जो कार्य कर चुका है, उसकी जानकारी देते हैं|

Citation Index का सबसे पहले उद्भव यू.एस.ए में हुआ है सबसे पहले Citation Indexing ,law की field बनाई गई जिसको frank shepard ने बनाया गया 1873 में यह frank shepard ने बनाई | frank shepard ने यह index निम्न प्रकार में बनाई|

Example-

एक जजमेंट हुआ और उस से सम्बंधित केस हो चुके थे और shepard ने उन केस को उस जजमेंट के अंत में उस केस के पक्ष में सारे निर्णय कर दिए |

Online Database :-

COURT NIC

GIST NIC

citation index- एक तकनीक है इसी के आधार पर विश्व की प्रसिद्ध Index- “Scinece Citation Index” Science की फील्ड में बनाई गई |

साइंस साइटेशन इंडेक्स (Scinece Citation Index) को बनाने का श्रेय **Eugene Garfield** को जाता है इसको Institution of scientific Information (Philadelphia) में बनाया गया था और पहली **SCI** 1964 से Regulary Publish हो रही है|

1963 में एक और Popular Index, Genetic Citation Index बनाई गई और बाद में Social Science Citation (SSCI) भी बनाया गया |

SCI:-

यह एक प्रोजेक्ट के द्वारा बनाई गई जो 1961 में एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट के रूप में SCI में बनाई गई इसके प्रोजेक्टर **Eugene Garfield** थे |

SCI में करीब 150 Student के ऊपर 8500 Notable Journal लगभग 1200 से अधिक बुक्स हैं | हर साल 6 लाख New Items (Types of Documents) SCI में जुड़ते हैं|

SCI के 3 भाग हैं:-

1. Citation Indexing
2. Sources Indexing
3. Permuterm Indexing

1. Citation Indexing:-

यह साइंस साइटेशन इंडेक्स का पहला part है इसमें cited item की लिस्ट को अनेक author के अनुसार alphabetical order में arrange किया जाता है | प्रत्येक cited item के अंतर्गत citing author की लिस्ट प्रस्तुत की जाती है उनको भी author के नाम से alphabetical arrange किया जाता है | यदि एक author के एक से अधिक cited item (article) या citing items (article) होते हैं तो उन्हें chronological order में arrange किया जाता है और जब पेटेंट(patent) के लिए इंडेक्स(index) बनाते हैं तब पेटेंट नंबर(patent number) से arrange करते हैं |

Cited author का नाम उपर लिखा जाता है , जबकि citing author को नीचे लिखा जाता है |

यदि cited author ने भी कोई आर्टिकल cite करके लिखा है तो उसे भी citing author के नीचे alphabetical arrange किया जाएगा |

Note-

Science Citation Index में नि.लि. Abberivation का उपयोग किया जाता है | और यह Abberivation title के पीछे उपयोग होते हैं | इसमें सारे alphabets capital लिखे जाते हैं | और कोई भी symbol का उपयोग नहीं होता |

This is a Coded Language

A- Abstract

C- Correction

D- Discussion

E- Edditorials

L- Letters

M- Proceeding of meetings

N- Technical Note

साइटेशन इंडेक्स में एंट्रीज निम्न प्रारूप के द्वारा बनाई गई हैं-

इसमें सभी लेटर्स capital में लिखे जाते हैं इसमें कोई comma and other symbol का यूज़ नहीं होता और इसमें Abbreviation का यूज़ होता है|

Example:-

- Cited Author- NICHOLS WH

  68 J CHEMHYS 49 1000

- Citation Author-

1. BOON JP PHYSREVA 2 2542 70
2. CANDAVS ANNPHYSIQ 4 21 69
3. CARDAMON MJ JOPTSOCL 60 1264 70

Abbreviation documents के प्रकार को बताने के लिए लिखते हैं और जहां पर कुछ नहीं लिखा हो तो वह Simple article होता है|

इस example में cited author " W H NICHOLS" है जिन्होंने 1968 में "Journal of Chemical Physics" 49 volumes में जिसके 1000 pages हैं को लिखा था उपयुक्त फॉर्मेट द्वारा प्रदर्शित किया जाता है | इसके बाद जो author ne cited author (W H NICHOLS) के आर्टिकल का यूज अपने आर्टिकल को बनाने के लिए किया है उनका सारा विवरण cited author के नीचे लिखा जाता है | यह क्रम Alphabetical होता है और एक ही विषय के citing author एक से ज्यादा है तो उनको Chronological arrange किया जाता है|

2. Source Index:-

यह science citation index का 2nd Part है जो कि Current citing article के बारे में अतिरिक्त Bibliographical information provide करता है | इसके साथ ही उन आर्टिकल के बारे में भी जानकारी देता है जो कि Citation Intex का Part है| यह science citation index के साथ-साथ उन सभी Source periodical का Complete index है जो कि किसी निश्चित समय में Published हुए हैं इसमें Citing authors में Information arrange रहती है क्योंकि citing and cited author दोनों ही अनेक हो सकते हैं | Source index की जरूरत इसलिए भी होती है क्योंकि Source index , Issues no. article title कितने Reference हैं इत्यादि को सूचना मिलती है|

Example:-

BOON JP

DEGUENT P Joint Author

PHYS REV A 2 2542 3612 70 N6

Journal name vol.No. pages No.of Reference year Issue No.

Title:- TRANSPORT FUNCTIONS AND LIGHT SCATTERING IN SIMPLE DENSE FLUIDS

इस उदाहरण से यह प्रदर्शित होता है कि J.P BOON और DEGUENT P के साथ मिलकर एक article published किया है, इसका title उपर्युक्त है, जोकि physics Rev A नामक पत्रिका के Vol. No. 2 के pages no. 2524 पर year() 1970 Issue no. 6 में published हुआ, जिसमें कि कुल 36 reference दिए गए हैं|

3. Permuterm Subject Index:-

इसकी शुरुआत सन 1967 में शुरू हुई थी | ऐसे यूजर जो किसी भी विषय के बारे में बिल्कुल ही नहीं जानते हैं फिर भी वह उस topic के ऊपर खोज करना चाहते हैं तो उसके लिए Permuterm Subject Index बहुत उपयोगी होता है | य किसी भी यूजर की subject approach को पूरा करता है उसमें user key term से इंफॉर्मेशन सर्च करता है इसलिए प्रत्येक key term के सामने उसके cited author का नाम लिख दिया जाता |

Example:-

Librarian ship or library science यहाँ पर natural language का उपयोग होता है |

Merits of citation Index:-

- इसमें कोई बौद्धिक व्यवस्था का उपयोग नहीं किया जाता है|
- इसमें terminology की कोई जरूरत नहीं होती|
- विषय से संबंधित इंफॉर्मेशन को सर्च करना आसान होता है क्योंकि वह अपने आप व्यवस्थित हो जाता है|
- Popular periodical documents को पहचानना आसान हो जाता है क्योंकि उसे जाना उपयोग किया जा रहा |
- Particular article के author को जानना आसान होता |
- हर एक author को उसका खुद का contribution check करने का मौका मिलता है और उसे यह पता चल जाता है कि उसके article को कितना उपयोग किया जा रहा है |

Demerits:-

- इसमें logical subject arrangement नहीं होता है अर्थात इसमें आसपास के विषय को प्रदर्शित नहीं किया जाता है |
- यदि Citation Index को देखने जा रहे हैं तो उसके लिए एक reference या Cited author का पता होना चाहिए |
- Citation Index जिस पैटर्न के आधार पर बनाई जाती है उसमें article के बीच में relation किस प्रकार का है यह पता नहीं चलता |

Thank You